



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 648]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 27, 1999/कार्तिक 5, 1921

No. 648]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 27, 1999/KARTIKA 5, 1921

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(पूंजी बाजार प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर, 1999

का.आ. 1053(अ).—भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2) की धारा 20 के खण्ड (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए प्रतिभूति के रूप में भारतीय औद्योगिक ऋण और निवेश निगम लिमिटेड, मुंबई द्वारा जारी किए जाने वाले छह सौ करोड़ रुपये से अनधिक के कुल मूल्य के डिबेंचर की प्रकृति के, जिन्हें निम्नलिखित रूप में वर्णित किया गया है :

1. इनकैश बांड;
2. टैक्स सेविंग बांड;
3. रेगुलर इन्कम बांड;
4. मनी मल्टीप्लायर बांड;

अप्रतिभूति मोचनीय बांड (आई.सी.आई.सी.आई.-सेफ्टी बांड—
अक्टूबर, 1999) प्राधिकृत करती है।

[फा. सं. 6/21/सी.एम./99]

डा. जे. भगवती, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Capital Market Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th October, 1999

S.O. 1053 (E).—In exercise of the powers conferred by clause (f) of section 20 of the Indian Trusts Act, 1882 (2 of 1882), the Central Government hereby authorises the Unsecured Redeemable Bonds (ICICI-Safety Bonds-October, 1999) in the nature of debentures described as -

1. Encash Bond;
2. Tax Saving Bond;
3. Regular Income Bond;
4. Money Multiplier Bond,

of the total aggregate value not exceeding rupees six hundred crores only to be issued by the Industrial Credit and Investment Corporation of India, Mumbai, as a security for the purpose of the said section.

[F.No. 6/21/CM/99]

DR. J. BHAGWATI, Jt. Secy.

